

प्रवर्तन निदेशालय ने डब्ल्यूटीसी ग्रुप के प्रमोटर को किया गिरफ्तार, धनशोधन मामले में एजेंसी ने की कार्रवाई

नई दिल्ली। ईडी ने रियल्टी समूह डब्ल्यूटीसी के प्रमोटर आशीष भल्ल को घर खरीदने वालों के धन से जुड़े धनशोधन मामले में गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, आशीष भल्ल को गुरुवार को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हिरासत में लिया गया और गुरुग्राम की एक विशेष अदालत ने उन्हें छह दिनों के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया। प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली-एनसीआर में मौजूद रियल एस्टेट डब्ल्यूटीसी ग्रुप के प्रमोटर आशीष भल्ल को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक धनशोधन की जांच करने वाली एजेंसी ने उन्हें पीएमएलए के तहत कार्रवाई करते हुए गिरफ्तारी की है। वहीं इस मामले में गुरुग्राम की एक विशेष अदालत ने उन्हें छह दिनों के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया है। मामले में एजेंसी ने आरोप

करोड़ रुपये डायवर्ट किए गए, जिनका लाभकारी स्वामित्व आशीष आशीष भल्ल के कई ठिकानों पर छापेमारी के बाद हुई है।

भल्ल के परिवार के सदस्यों के पास है। जांच के दौरान, यह पाया गया कि डब्ल्यूटीसी समूह ने हरियाणा, उत्तर प्रदेश, चंडीगढ़, अहमदाबाद और पंजाब जैसे कई राज्यों के कई निवेशकों से 3,000 करोड़ रुपये से अधिक एकत्र किए। ईडी की यह कार्रवाई 27 फरवरी को भूटानी ग्रुप और उसके प्रमोटर आशीष भूटानी के अलावा डब्ल्यूटीसी ग्रुप और



केरल उच्च न्यायालय के वकीलों का जज के खिलाफ प्रदर्शन, महिला पर टिप्पणी को लेकर माफी की मांग

टिप्पणी

« वकीलों की मांग है कि जज ने एक वकील की विधवा के खिलाफ जो सख्त टिप्पणी की, उसे लेकर जज माफी मांगें।

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय में एक दुर्लभ विरोध प्रदर्शन देखने को मिला है, जहां वकीलों के एक वर्ग ने कोर्टरूम के बाहर जज के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। वकीलों की मांग है कि जज ने एक वकील की विधवा के खिलाफ जो सख्त टिप्पणी की, उसे लेकर जज माफी मांगें। यह विरोध प्रदर्शन केरल हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन के बैनर तले हुआ।



क्या है मामला

दरअसल केरल हाईकोर्ट के एक जज और दिवंगत वकील एलेक्स एम स्केरिया की विधवा पत्नी के बीच एक मामले की सुनवाई के दौरान बहस हुई थी। वकील एसोसिएशन का आरोप है कि महिला वकील ने अपने पति की मृत्यु होने के चलते सुनवाई कुछ दिन टालने की मांग की थी। इस पर जज ने महिला को अपमानित करने वाली टिप्पणी की, जिसे सुनकर महिला रोने लगीं। प्रदर्शनकारी वकीलों ने चेतावनी दी है कि अगर

जज ने माफी नहीं मांगी तो वे जनरल बांडी की बैठक बुलाएंगे और अदालती कार्यवाही का बहिष्कार करेंगे। वहीं हंगामा बढ़ने पर जज ने अपने चैंबर में महिला वकील से माफी मांगने की पेशकश की, लेकिन वकीलों की मांग है कि जज अदालत में सभी के सामने माफी मांगें। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मामला बढ़ने पर अब केरल उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने एसोसिएशन के नेताओं के साथ बैठक बुलाई है।

यमन और जिबूती के तट पर प्रवासियों से भरी नाव पलटी, कम से कम दो लोगों की मौत और 186 लोग लापता

काहिरा। संयुक्त राष्ट्र प्रवास एजेंसी का कहना है कि यमन और जिबूती के तटवर्ती जलक्षेत्र में चार प्रवासी नौकाएं पलट गई हैं, जिसमें



दो लोगों की मौत हो गई है और 186 लोग लापता हैं। मध्य-पूर्व एशियाई देश यमन और अफ्रीकी देश जिबूती के तट पर प्रवासियों से भरी चार नावों के पलट जाने से बड़ा हादसा हो गया है। जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में अभी तक दो लोगों की मौत हो चुकी है और कुल 186 लोग लापता बताए जा रहे हैं। इस घटना

की जानकारी संयुक्त राष्ट्र प्रवास एजेंसी की तरफ से दी गई है। मामले में अंतर्राष्ट्रीय प्रवास संगठन के प्रवक्ता तमीम एलीयन ने बताया कि गुरुवार को यमन के तट पर दो नौकाएं पलट गईं। जिसमें दो चालक दल के सदस्यों को बचा लिया गया, लेकिन 181 प्रवासी और पांच यमन चालक दल के सदस्य लापता हैं। उन्होंने बताया कि लगभग उसी समय छोटे से अफ्रीकी देश जिबूती के तट पर दो अन्य नौकाएं पलट गईं। दो प्रवासियों के शव बरामद किए गए और उनमें

सवार सभी लोगों को बचा लिया गया। आईओएम के अनुसार, 2024 में लाल सागर और अदन की खाड़ी को पार करते हुए हॉर्न ऑफ अफ्रीका से यमन की ओर जाने वाले कई प्रवासियों की तरफ से इस्तेमाल किए जाने वाले मार्ग पर 558 लोगों की मौत हो गई। वहीं 2023 में यमन पहुंचने वाले प्रवासियों की संख्या 97 हजार 200 तक पहुंच गई - जो साल 2021 की संख्या से तीन गुनी है। इस महीने आईओएम की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल यह संख्या घटकर 61 हजार से कुछ कम रह गई, संभवतः ये कमी जल क्षेत्र में अधिक गश्त के कारण दर्ज की गई है। आईओएम के अनुसार, पिछले एक दशक में कम से कम 2,082 प्रवासी इस मार्ग से गायब हो गए हैं, जिनमें से 693 के डूब जाने की जानकारी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में यमन में लगभग 380,000 प्रवासी हैं।

पेरिस में पटरियों के पास द्वितीय विश्व युद्ध के समय का बम मिला

पेरिस। फ्रांस में रेलवे की पटरियों के पास बम मिलने की खबर है। यहां पटरियों के पास द्वितीय विश्व युद्ध के समय का एक बम मिलने के बाद लंदन जाने वाली यूरोस्टार की सभी रेलगाड़ियों को रोक दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, पेरिस के गॉरे डू नॉर्ड स्टेशन पर द्वितीय विश्व युद्ध के समय का बम पटरी के पास पाया गया है। इसके बाद लंदन जाने वाली यूरोस्टार की सभी ट्रेन सेवाओं को रोकने का फैसला किया गया है। फ्रांस की राजधानी पेरिस में रेल पटरियों के पास द्वितीय विश्व युद्ध के समय का एक बम मिलने के बाद लंदन और उत्तरी क्षेत्र जाने वाली यूरोस्टार की सभी रेलगाड़ियों का परिचालन शुक्रवार को रोक दिया गया। यूरोस्टार ब्रिटेन की एक ट्रेन सेवा है। फ्रांस के राष्ट्रीय रेल संचालक 'एसएनसीएफ' ने एक बयान में कहा कि पुलिस के अलर्ट के बाद गॉरे डू नॉर्ड पर अगले आदेश तक रेल परिचालन रूका रहेगा।

आतंकवाद ऐसी चुनौती जो खत्म नहीं होती, एकजुट होकर लड़ना जरूरी: जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने आतंकवाद को एक ऐसी चुनौती बताया है जो कभी खत्म नहीं होती। उन्होंने कहा कि इससे निपटने के लिए दृढ़ संकल्प और प्रतिबद्धता की जरूरत है।डबलिन के यूनिवर्सिटी कॉलेज में भारत का विश्व के प्रति दृष्टिकोण विषय पर भाषण देते हुए जयशंकर ने 1985 में हुए एयर इंडिया कनिष्क विमान बम विस्फोट का जिक्र किया। विदेश मंत्री बताया कि इस हमले में मारे गए 329 लोगों की याद में आयरलैंड के अहाकिस्ता गांव में एक स्मारक पट्टिका लगाई गई है। यह हमें लगातार याद दिलाती है कि आतंकवाद एक स्थायी खतरा है, जिसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। जयशंकर ने कहा, संघर्ष हमेशा हिंसक और दर्दनाक होते हैं, लेकिन दुनिया में जो कुछ हो रहा है, वह अवसर हमारी नजरों से छूट जाता है। आज दुनिया में लगभग 60 बड़े संघर्ष चल रहे हैं, लेकिन अखबारों और टीवी में सिर्फ दो-तीन पर ही चर्चा होती है। यह चिंता की बात है कि इन संघर्षों के कारण कई देश

अपने सतत विकास लक्ष्यों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद

दर्दनाक

« संघर्ष हमेशा हिंसक और दर्दनाक होते हैं, लेकिन दुनिया में जो कुछ हो रहा है, वह अवसर हमारी नजरों से छूट जाता है: जयशंकर

और संघर्षों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ना जरूरी है, ताकि भविष्य सुरक्षित और स्थिर बनाया जा सके। भारत और यूरोप के हाल के वर्षों में तालमेल बढ़ा है और इससे भारतीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर पड़ा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूनिवर्सिटी कॉलेज डबलिन में यह बात कही। भारत का विश्व के प्रति दृष्टिकोण विषय पर अपने भाषण में, जयशंकर ने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लयेन की अपने 21 आयुकों के

साथ हाल ही में की गई भारत यात्रा की भी चर्चा की। जयशंकर ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ लगभग 23 वर्षों से मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत कर रहे हैं। विदेश उम्मीद जताई कि यह कवायद इस साल के अंत तक समाप्त हो जाएगी। भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि भारत के एक बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के साथ ही यूरोप के साथ हमारा संपर्क बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, हम वर्तमान में पांचवें स्थान पर हैं, हम निश्चित रूप से इस दशक के अंत तक तीसरे स्थान पर होंगे। हम यूरोप के साथ रिश्ते में बहुत कुछ होते हुए देखते हैं और आयरलैंड इसका एक अभिन्न अंग है, जो स्पष्ट रूप से इस स्थिति का लाभ



मोदी-शी बैठक के बाद भारत-चीन को सभी स्तरों पर मिले सकारात्मक नतीजे, बोले- चीन के विदेश मंत्री वांग यी

नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच पिछले वर्ष रूस के कजान में हुई मुलाकात के बाद दोनों के बीच सभी स्तरों पर सकारात्मक नतीजे मिले हैं। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने शुक्रवार यह बात कही। उन्होंने कहा, भारत-चीन संबंधों में "सकारात्मक प्रगति" हुई है और पिछले साल पूर्वी लद्दाख में चार साल से अधिक समय से चल रहे सैन्य गतिरोध को समाप्त करने में मिली सफलता के बाद सभी स्तरों पर उत्साहजनक नतीजे मिले हैं। वांग ने वार्षिक संवाददाता सम्मेलन के दौरान पूछा गया था कि दोनों देशों के बीच संबंधों में लंबे समय से चले आ रहे गतिरोध को समाप्त करने के बाद बीजिंग द्विपक्षीय संबंधों को किस तरह देखता है? इसके जवाब में वांग ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच रूस के कजान में सफल बैठक के बाद पिछले

वर्ष चीन-भारत संबंधों में सकारात्मक प्रगति हुई है।" वांग ने

भारत और चीन ने पिछले साल बातचीत के बाद एक समझौते के

तहत पूर्वी लद्दाख के अंतिम दो टकराव बिंदुओं, देपसांग और डेमचोक से सैनिकों की वापसी सुनिश्चित की। जिससे पिछले चार साल से अधिक समय से दोनों देशों के बीच चल रहा तनाव बहुत हद तक कम हो गया। समझौते को अंतिम रूप देने के बाद मोदी और शी ने 23 अक्तूबर को कजान में वार्ता की। बैठक में दोनों पक्षों ने

विभिन्न स्तरों पर बातचीत फिर से शुरू करने का निर्णय लिया।

इसके बाद, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल और वांग ने 18 दिसंबर को बीजिंग में 23वीं विशेष प्रतिनिधि (एसआर) वार्ता की। 26 जनवरी को विदेश सचिव विक्रम मिश्री चीन की राजधानी ग् और विदेश सचिव-उपमंत्री स्तर पर अपने चीनी समकक्ष सुन वेइदोंग से बातचीत की। संबंधों के विकास के लिए सीमा पर शांति के महत्व पर

भारत की ओर से जोर दिए जाने का स्पष्ट संदर्भ देते हुए वांग ने चीन के इस रुख को दोहराया कि सीमा या अन्य मुद्दों पर मतभेदों से समग्र द्विपक्षीय संबंधों पर असर नहीं पड़ना चाहिए। वांग, जो सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के शक्तिशाली राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य भी हैं, ने कहा, दो प्राचीन सभ्यताओं के रूप में, हमारे पास सीमा मुद्दे के निष्पक्ष और उचित समाधान तक सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए पर्याप्त ज्ञान और क्षमता है। उन्होंने कहा, हमें द्विपक्षीय संबंधों को कभी सीमा से जुड़े सवालों या कुछ मतभेदों से परिभाषित नहीं होने देना चाहिए, जिससे हमारे द्विपक्षीय संबंधों की समग्र तस्वीर प्रभावित हो। चीन का मानना ​​है कि सबसे बड़े पड़ोसी होने के नाते दोनों देशों को एक-दूसरे की सफलता में साझेदार बनना चाहिए।

अमेरिका से टैरिफ युद्ध के बीच भावुक हुए ट्रूडो, बोले- मैंने हमेशा कनाडा के लोगों को पहले रखा



ओटावा। जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि मैंने अपने प्रधानमंत्री काल के दौरान हर दिन कनाडा के लोगों को प्राथमिकता पर रखा। मुझे भी लोगों ने समर्थन दिया और आज मैं कहना चाहता हूं कि हम आपके साथ हैं। अपनी सरकार के आखिरी दिन भी हम आपके लिए काम करते रहेंगे। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो अपनी बतौर पीएम अंतिम प्रेसवार्ता में भावुक हो गए। अपने नौ साल के कार्यकाल के मुश्किल समय को याद करते हुए ट्रूडो भावुक हो गए और इस दौरान उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कनाडा पर भारी-भरकम टैरिफ लगाने की भी आलोचना की।

जस्टिन ट्रूडो ने अपनी गिरती लोकप्रियता के चलते बीती जनवरी में पीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। मीडिया से बात करते हुए जस्टिन ट्रूडो ने कहा कि मैंने अपने प्रधानमंत्री काल के दौरान हर दिन कनाडा के लोगों को प्राथमिकता पर रखा। मुझे भी लोगों ने समर्थन दिया और आज मैं कहना चाहता हूं कि हम आपके साथ हैं। अपनी सरकार के आखिरी दिन भी हम आपके लिए काम करते रहेंगे। हम कनाडा के लोगों को कमजोर नहीं पड़ने देंगे। रविवार को कनाडा में सत्ताधारी लिबरल पार्टी अपने नए नेता का चुनाव करेगी, जिसके बाद ट्रूडो पद

छोड़ देंगे। अपने भाषण में ट्रूडो ने कहा कि कनाडा के लोगों को एकजुट रहने की जरूरत है, लेकिन साथ ही उन्होंने चेताया कि आने वाला वक्त काफी मुश्किल होने वाला है। ट्रूडो ने अमेरिका के ट्रंप प्रशासन पर भी तंज कसा। गौरतलब है कि ट्रंप ने कनाडा से आयात होने वाले सामान पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया है। इसके जवाब में कनाडा की तरफ से अमेरिका से आने वाले 30 अरब कनाडाई डॉलर के उत्पादों पर भी टैरिफ लगाने का एलान कर दिया गया। इस टैरिफ वॉर से अमेरिकी बाजार में भारी उथल-पुथल देखी गई। जिसके बाद ट्रंप ने कनाडा पर लगे टैरिफ को कुछ दिनों के लिए टालने का फैसला किया। कनाडा, अमेरिका के सबसे बड़े व्यापार साझेदार देशों में से एक है। ऐसे में टैरिफ युद्ध का असर दोनों देशों पर पड़ना स्वभाविक है।

मणिपुर में आत्मसमर्पण के तहत हजार से ज्यादा अवैध हथियार हुए जमा

इंफाल। मणिपुर में आत्मसमर्पण समयसीमा के दौरान एक हजार से ज्यादा अवैध हथियार जमा किए गए हैं। मणिपुर पुलिस ने यह जानकारी दी है। जो अवैध हथियार जमा किए गए हैं, उनमें सुरुखा बलों से लूटे गए हथियारों के साथ ही अवैध रूप से खरीदे गए हथियार भी शामिल हैं। जिनमें हथगोले, मशीनगन, ग्रेनेड, मोटार, इंसास राइफल और एके-56 जैसी आधुनिक राइफलस शामिल हैं। हथियार समर्पण करने की समय सीमा गुरुवार शाम चार बजे समाप्त हो गई। इसके बाद सुरक्षाबलों ने छापेमारी अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस ने बताया कि अभी जमा किए गए हथियारों का आंकड़ा अस्थायी है और सभी जिलों में जमा हुए हथियारों की पूरी गिनती करने के बाद यह आंकड़ा और बढ़ सकता है।

जनसमस्याओं का समाधान सरकार की शीर्ष प्राथमिकता: मुख्यमंत्री

मास्टर ट्रेनरों ने प्रशिक्षुओं को कढ़ाई के तरीकों का कराया अभ्यास

- सीएम योगी ने जनता दर्शन में सुन्नी 200 से अधिक लोगों की समस्याएं
- अधिकारियों को दिवा निर्देश- जनसमस्याओं के निस्तारण में हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं
- बोले-नर सेवा ही नारायण सेवा, जरूरतमंदों की मदद के लिए सदा खड़े रहें अधिकारी

अवधनामा ब्यूरो

गोरखपुर/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में जनता दर्शन किया। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में आये बुजुर्ग, महिलाएं, दिव्यांग समेत करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। सभी को आश्वासत किया कि जनसमस्याओं का समाधान सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने मौके पर मौजूद



अधिकारियों से कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है, इसलिए हर जरूरतमंद की मदद के लिए सदा खड़े रहें। मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि चिंता न कीजिए, जनता से जुड़ी हर समस्याओं का समाधान होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संबंधित मामलों के निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री शुक्रवार सुबह

जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर परिसर में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर पीड़ा का निवारण सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। जनसमस्याओं के समाधान में शिथिलता नहीं होनी चाहिए।

सीएम योगी ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

- सीएम योगी ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत की प्रतिमा पर किया मल्पापण, , स्मृतियों को किया नमन
- पंडित गोविंद बल्लभ पंत देश के स्वतंत्रता संग्राम के महानायक थे- सीएम योगी
- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में राज्य की व्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई- योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महान स्वतंत्रता सेनानी और प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री, भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत की पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यापण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि पंडित गोविंद बल्लभ पंत देश के स्वतंत्रता संग्राम के महानायक थे, जिन्होंने एक उच्छृंखल अधिवक्ता, कुशल राजनेता और प्रशासक के रूप में अपनी अमिट छाप छोड़ी। गोरखपुर विश्वविद्यालय के पंत पार्क में आयोजित कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि पंडित पंत संविधान सभा के सम्मानित सदस्य थे और देश की आजादी के बाद 1954 तक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में राज्य की व्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बाद वे देश के गृह मंत्री बने और हिंदी को राजभाषा के रूप में स्थापित करने का श्रेय भी इन्हें जाता है, उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए 1957 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। सीएम योगी ने कहा कि गोरखपुर विश्वविद्यालय का आधारशिला स्वयं पंडित गोविंद बल्लभ पंत ने रखी थी, उन्होंने 7 मार्च 1961 को अपने नक्षत्र शरीर को त्यागकर इस दुनिया को अलविदा कहा, आज उनकी पवन पुण्यतिथि के अवसर पर हम उनके स्मृतियों को



नमन करते हुए प्रदेशवासियों की तरफ से उनके प्रति अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इस अवसर पर सांसद रवि किशन, विधान परिषद सदस्य व भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, महेंद्र पाल सिंह, प्रदीप शुक्ल, गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टण्डन, भाजपा के महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

रोज़ा-इफ्तार करने से मिलता है सवाब

लखनऊ। माहे मुबारक रमजान में

रोजेदार को रोजा-इफ्तार करने का बहुत सवाब है। शहर के अलग-अलग हिस्सों में रोजा-इफ्तार पार्टियों का आयोजन होता है, जिसमें उरमा, बुद्धिजीवी और गणमान्य नागरिक शामिल होते हैं। इसी कड़ी में शनिवार को तहरीक फ़िर्क-ए-मिल्लत फाउंडेशन की ओर से ऐशबाग इंदगाह में रोजा-इफ्तार का आयोजन किया जाएगा। फाउंडेशन के महासचिव मोहम्मद हनीफ खान ने बताया कि शनिवार को इंदगाह के तय्यब हॉल में शाम 6-14 बजे होने वाले रोजा-इफ्तार में राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी, कांग्रेस महासचिव व प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, नेता विधान मंडल दल आरधना मिश्रा मोना, पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, इमाम इंदगाह मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली, टीले वाली मौजिद के इमाम मौलाना फजलुल मन्ना, मौलाना अब्दुल अजीज फारुकी सहित अन्य राजनीतिक, सामाजिक व मिल्ली रहनुमा शामिल होंगे।

सशक्त महिला समाज में बदलाव की सूत्रधार: मोनिका

- कचरा प्रबंधन में महिलाओं की अहम भूमिका: अनुज
- नगरीय निकाय निदेशालय में हुई क्षमता संवर्धन कार्यशाला
- आईएस मोनिका एस. गर्ग ने महिला जनप्रतिनिधियों और सफाई मित्रों को किया सम्मानित

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों के विकास के लिए महिलाओं की भागीदारी बहुत महत्वपूर्ण है। वर्तमान में महिलाएं समाज के सभी क्षेत्रों में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रही, चाहे वह शिक्षा, स्वास्थ्य, शासन, प्रशासन या नगरीय प्रशासन हो। केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों से महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा मिला है। साथ ही



नगरीय समस्याओं के समाधान और कचरा प्रबंधन में भी मदद मिली है। प्रदेश के नगरीय निकायों की निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधियों के लिए क्षमता संवर्धन कार्यशाला की शुरुआत कृषि उत्पादन आयुक्त एवं अवर मुख्य सचिव अल्पसंख्यक कल्याण विभाग और मुख्य वरुष विभाग श्रीमती मोनिका एस. गर्ग ने की। इस दौरान प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि महिलाओं की शासन-प्रशासन

की राजनीति में भागीदारी से देश के विकास को गति मिली है। जब महिलाएं निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल होती हैं, तो नीतियों में अधिक समावेशिता, सामाजिक न्याय और संवेदनशीलता आती है। महिलाओं के मुँह, जिसमें कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और लैंगिक समानता को प्राथमिकता मिलती है और इससे समाज के लिए बेहतर नीतियों का निर्माण होता है। महिलाओं की भागीदारी से प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही

बढ़ती है। महिला नेतृत्व अन्य महिलाओं को आगे आने और अपनी आवाज को उठाने के लिए प्रेरित करता है। महिलाओं के सशक्तिकरण से श्रम शक्ति में वृद्धि होती है, जिससे देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इस कार्यशाला में प्रदेश की निकायों से आयी महिला जनप्रतिनिधियों और प्रशिक्षकों को देखने से इस बात को बल मिल रहा है। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम के दौरान महिला जनप्रतिनिधियों, सफाई कर्मियों व अन्य प्रतिभागियों को उपहार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। नगरीय निकाय निदेशालय के स्थाित सभागार में शुक्रवार को आयोजित क्षमता संवर्धन कार्यशाला में सचिव/निदेशक एवं राज्य मिशन निदेशक अनुज कुमार झा जी ने मुख्य अतिथि श्रीमती मोनिका एस. गर्ग जी का स्वागत किया और उनका धन्यवाद ज्ञापित किया।

आरडीएसओ में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन



अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। अनुसंधान अधिकल्प और मानक संगठन में दिनांक 7 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्रीउदय बोरणकर महानिदेशक, आरडीएसओने दीप प्रज्वलन करके किया। इस अवसर पर अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ जैसे होली समूह नृत्य, हास्य नाटक (कॉमेडी स्किट) और नृत्य प्रस्तुति शामिल रही तथा महिला कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गईं।इस आयोजन ने महिला सशक्तिकरण और उनकी

बहुमुखी प्रतिभाओं को प्रदर्शित किया। कार्यक्रम के दौरान महानिदेशक, आरडीएसओश्रीउदय बोरणकर द्वारा महिला कर्मचारियों को स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। महानिदेशक महोदय ने अपने संबोधन में महिलाओं की उपलब्धियों का सम्मान करते हुए कहा कि महिलाओं की भागीदारी और योगदान संगठन की सफलता का अभिन्न हिस्सा हैं। उनके समर्पण और मेहनत को सम्मान देना हमारी जिम्मेदारी है। इस प्रकार के आयोजनों से महिलाओं को न केवल प्रेरणा मिलती है, बल्कि उनके कौशल और आत्मविश्वास को भी बढ़ावा मिलता है। इस कार्यक्रम में सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

150वीं पुण्य तिथि पर याद किए गए मशहूर शायर मिर्जा दबीर

- उर्दू मर्सिया के सबसे अहम नामों में से एक नाम है मिर्जा दबीर
- दुनिया भर के साथ साथ अमरोहा के मुहरम न भी पढ़े जाते हैं उनके मरसिए
- 1865 में 26 दिन अमरोहा आकर रुके थे दबीर
- 3000 से ज्यादा मरसिए और बड़ी संख्या में नौहे और सलाम लिखे जो उर्दू पाठ्यक्रम में भी शामिल है

अवधनामा ब्यूरो

अमरोहा/लखनऊ। उर्दू ज़बान के नामवर मर्सिया निगार शायर मिर्जा दबीर को उनकी 150वीं पुण्य तिथि पर आज शहर के मजा पोता स्थित नवाब मौज़िल में आलमी मर्सिया सेंटर और सांस्कृतिक संस्था कारवाने खुलूस ने याद करते हुए उनके कार्यों पर रोशनी डाली। प्रोफ़ेसर नाशिर नकवी उपाध्यक्ष आलमी मर्सिया सेंटर की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में विशेष सम्बोधन में सैय्यद महबूब हुसैन जैदी ने बताया की 1803 में मिर्जा दबीर का जन्म दिल्ली में हुआ था



बाद में आप लखनऊ आ गए थे। मिर्जा दबीर रसाई अदब के सबसे बड़े नामों में से एक है जिन्होंने करबलाई शायरी के हवाले से जो काम किया वोह हमेशा याद किया जाता रहेगा। 6 मार्च 1875 को आपका देहान्त हो गया था। अधिवक्ता एम इस्लाम आलमी ने कहा कि नौहे और मरसिए के अलावा अपने बहुत शानदार गज़लें भी कही हैं, आपकी गज़लों का असलुब (शैली) मिर्जा ग़ालिब से मिलती थी। आलमी ने बताया कि 2009 में उर्दू शायरों पर हुए एक शोध कार्य से पता चलता है कि मिर्जा

दबीर वोह शायर थे जिन्होंने अपने कलाम में उर्दू के 120000 शब्दों का प्रयोग किया है, इतने अल्फ़ाज़ का प्रयोग किसी भी शायर के द्वारा नहीं किया गया। प्रोफ़ेसर नाशिर नकवी ने अपनी तक्रार में कहा कि दबीर सिर्फ़ एक शायर ही नहीं बल्कि उर्दू ज़बान का एक पिलर थे जिस पर उर्दू की इमारत खड़ी की गई। अमरोहा से उनका ताल्लुक रहा और वह 1865 में अमरोहा आए और यहां 26 दिन रुके और खास मर्सिया भी लिखा। अमरोहा के मुहरम के ऐतिहासिक जुलूस यानी 8 मुहरम को दिन भर अमरोहा में पढ़ा जाने वाला

मर्सिया जब चले यासरिब से सिब्ले मुस्तफा हुए इराक़ भी मिर्जा दबीर का लिखा हुआ मर्सिया है। इस दौरान भुवन शर्मा, नवाब मुय्यद अली खान, इस्तेजाब हुसैन जैदी, रज़ा तहसील, हसीम अमरोहवी, हकीम हामिद हसन, अली आबिदी अमरोहवी, जीशान हैदर नकवी, मर्सिया खुआँ मौहम्मद अली अफजाल, शुजा उल हसन नकवी, इमदाद आबिदी, हुसैन मौहम्मद जान, हसनैन नवाज़, इकराम जैदी, महताब हुसैन, शफात हुसैन, अरमान हुसैन, नवाब अरमान, आलमगीर खुसरो आदि व अन्य लोग मौजूद थे।

तीन दिवसीय एफपीओ मेला तथा प्रदर्शनी का कृषि मंत्री ने किया शुभारंभ

लखनऊ। भारत सरकार की 10 हजार एफपीओ के गठन एवं संवर्द्धन योजना एवं राज्य सरकार की आत्मनिर्भर कृषक सम्वित्त विकास योजना अंतर्गत राज्य स्तरीय एफपीओ के तीन दिवसीय मेला प्रदर्शनी तथा कार्यशाला 2025 का शुभारंभ आज प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही द्वारा भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान तेलीबाग, लखनऊ में किया गया।

कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही द्वारा अपने सम्बोधन में अवगत कराया गया कि भारत सरकार के 10 हजार एफपीओ के गठन का लक्ष्य समय सीमा से पहले 24 फरवरी को पूर्ण कर लिया गया है। उत्तर प्रदेश में वर्तमान में 3813 एफपीओ, शक्ति पोर्टल पर पंजीकृत हैं। एफपीओ गठन हेतु राज्य पोषित केन्द्रीय संस्थाएं यथा सीमा रहमान खेड़ा, यूपी डास्य, यूपीएसएस एवं यूपी पीसीएस को नामित किया गया है। प्रदेश में लगभग 92 प्रतिशत लघु एवं सीमांत किसान हैं जिनकी आय दुगुनी करने हेतु यह आवश्यक है कि उनकी कृषि लागत कम करते हुये प्रसंस्करण को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

होली पर्व पर लखनऊ परिक्षेत्र से चलाई जायेगी 921 बसें : दयाशंकर सिंह

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह लखनऊ परिक्षेत्र से प्रदेश के विभिन्न जनपदों में होली के पर्व पर कुल 921 बसों का संचालन किया जायेगा। जिससे कि होली पर्व पर यात्रियों को बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो। इसके साथ ही 50 आश्रित बसों का आवश्यकतानुसार उपयोग किया जायेगा। दयाशंकर क्षेत्र से कौशाम्बी/आनंद बिहार, जयपुर, हरिद्वार, देहरादून, वाराणसी, गोरखपुर एवं आज़मगढ़ विशेष रूप से बसों का संचालन किया जायेगा। परिवहन मंत्री ने निर्देश दिये हैं कि 08 मार्च से 18 मार्च तक सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को अपरिहार्य परिस्थितियों में अवकाश प्रदान किये जाए, जिससे कि बसों के कुशल संचालन में कोई समस्या न आये। उन्होंने कहा कि सभी प्रारम्भिक बस स्टेशनों पर समस्त यात्रियों के टिकट बनाये जाने के उपरान्त पंजिका में यात्रियों की संख्या एवं आय का अंकन कर बसों का



संचालन कराया जाए व बुक किया जाय। जिससे कि निर्धारित संख्या में यात्री लेकर ही बसें प्रस्थान करें। समस्त चालक/परिचालक मार्ग पर पड़ने वाले स्टॉपेज से ही यात्रियों को बैठायें, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। परिवहन मंत्री ने निर्देश दिये कि समस्त यातायात निरीक्षक अपनी ड्यूटी पूरी इमानदारी से करें। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक/स्टेशन प्रभारी के अतिरिक्त अन्य अधिकारियों के मोबाइल नम्बर अंकित किये जाए। साथ ही कन्ट्रोल रूम से 24 घंटे संचालन की मानीटरिंग भी की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिये हैं कि अतिरिक्त बसें आम जनता के सुविधा जनक यात्रा तथा सुरक्षित

गन्तव्य स्थल तक पहुंचाने के लिए संचालित की जा रही है। राज्य सरकार यात्रियों की सुरक्षित यात्रा के लिए कटिबद्ध है। कोई यात्री स्टॉप पर छूटने के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि लखनऊ परिक्षेत्र के विभिन्न डिपो यथा चारबाग डिपो से 146, हैदराबाद डिपो से 217, वाराबंकी डिपो से 87, उपनगरीय डिपो से 05 एवं अलमबाग डिपो से 78 अतिरिक्त बसों का संचालन किया जायेगा।